दुनिया में किसी भी व्यक्ति को भ्रम में नहीं रहना चाहिए। बिना गुरु के कोई भी दूसरे किनारे तक नहीं जा सकता है।
–श्री गुरु नानक देव

मूल्य ₹ 3/-

सांध्य दैनिक
4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 185 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार 11 अगस्त, 2026

अफगान ने विश्वकप के लिए किया... 7 | मुलाकातों के दौर से सियासी सरगर्मी... 3 | नोटिस बोर्ड पर चस्पा किए जाएं... 2

'सामने आओ मोदी-शाह'

राहुल की ललकार से दिल्ली में सियासी तूफान

» संसद के भीतर अब आर-पार की लड़ाई

» शाह के समर्थन में सत्ता का शक्ति-प्रदर्शन तो राहुल का सीधा वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस और बीजेपी के बीच की राजनीतिक लड़ाई अब आर-पार की स्थिति में पहुंच चुकी है। राहुल गांधी द्वारा गृह मंत्री अमित शाह पर लगाये आरोपों और चर्चा की मांग के जवाब में आज एनडीए सांसदों ने तिरंगा हाथ में लेकर संसद परिसर में जुलूस निकाला और नारे लगाये। वहीं राहुल गांधी ने एक बार फिर दो टूग लहजे में कहा है कि प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री में हमारे सामने खड़े होने की हिम्मत नहीं।

दिल्ली में आज की सुबह संसद परिसर ने एक ऐसा राजनीतिक दृश्य देखा जिसमें तस्वीरें बहुत कुछ कह रही थीं लेकिन असली कहानी तस्वीरों के पीछे छिपी थी। एक तरफ सत्ता के गलियारों में एकजुटता का प्रदर्शन था। एनडीए सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के साथ खड़े दिखाई दिए। तिरंगा लहराया गया नारे लगे और संदेश देने की कोशिश हुई कि सरकार के भीतर कोई दरार नहीं कोई डर नहीं और कोई पीछे हटने वाला नहीं है।

राहुल गांधी की चुनौती का जवाब कौन देगा?

लेकिन उसी वक्त विपक्ष की तरफ से एक ऐसी आवाज उठी जिसने इस पूरे शक्ति प्रदर्शन के बीच एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया कि अगर सत्ता इतनी मजबूत है तो फिर राहुल गांधी की चुनौती का जवाब कौन देगा? राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को सीधे निशाने पर लेते हुए कहा कि उनमें उनके सामने खड़े होने की हिम्मत नहीं है। यह सिर्फ एक राजनीतिक तंज नहीं था। यह संसद के उस माहौल में फेंका गया राजनीतिक पत्थर था जहां पिछले कई दिनों से सरकार और विपक्ष के बीच टकराव लगातार तेज होता जा रहा है। और यहीं से आज की कहानी शुरू होती है क्योंकि सवाल सिर्फ यह नहीं है कि राहुल गांधी ने क्या कहा। सवाल यह है कि राहुल ने यह बात ऐसे वक्त क्यों कही जब सत्ता पक्ष खुद को पूरी ताकत के साथ एकजुट दिखाने में जुटा था? क्या यह महज संयोग है कि एक तरफ एनडीए सांसद अमित शाह और सरकार के समर्थन में खड़े दिखाई दे रहे हैं और दूसरी तरफ नेता प्रतिपक्ष प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को सीधे चुनौती दे रहे हैं?

> "राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को सीधे निशाने पर लेते हुए कहा कि उनमें उनके सामने खड़े होने की हिम्मत नहीं है।"

राहुल गांधी की तीन मांगे

राहुल गांधी ने कहा कि इसलिए हमारी तीन मांग हैं। पहली यह कि अमित शाह सदन में आकर बयान दें और इस्तीफा दें। हमारे छात्रों पर हुए हमले के लिए माफी मांगें। राम मंदिर में हुई चढ़ावा चोरी पर सदन में चर्चा हो। उन्होंने झारखंड के छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की भी कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि झारखंड के छात्रों के लिए मेरा संदेश स्पष्ट है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ किसी भी तरह की हिंसा स्वीकार्य नहीं है। शांतिपूर्ण ढंग से विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ किसी भी तरह की हिंसा की हम निंदा करते हैं चाहे वह कहीं भी हो।

गृह मंत्री बताए पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया

राहुल गांधी ने बयान जारी करते हुए कहा है कि पिछले 15 दिनों से न तो प्रधानमंत्री और न ही गृह मंत्री में सदन में आने की हिम्मत है और न ही अपने किए को स्वीकार करने का साहस है। दिल्ली में छात्रों के साथ जो हुआ उस पर दोनों में से किसी ने भी कोई टिप्पणी करना जरूरी नहीं समझा। राहुल गांधी ने कहा कि सवाल कभी यह नहीं था कि गृह मंत्री संसद में आकर किसी सामान्य विषय पर भाषण दें इसकी जरूरत न तो हमें है और मुझे विश्वास है कि देश की जनता को भी नहीं होगी। जनता भी गृह मंत्री से छात्रों के साथ हुई बर्बरता पर जवाब सुनना चाहती है। उन्हें स्पष्ट करना होगा कि दिल्ली में हमारे युवाओं पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया।

गृह मंत्री का इस्तीफा हो

राहुल गांधी ने कहा है कि अमित शाह देश के गृह मंत्री हैं और सवाल यह है कि क्या उन्होंने पैलेट गन चलाने का आदेश दिया था या उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। राहुल गांधी ने कहा कि दोनों ही स्थितियों में उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। राहुल गांधी के मुताबिक उनका गुब्बारा फट चुका है। उसे रिपेयर कर फिर से गैस भरने की कोशिश की जा रही है। लेकिन उसे रिपेयर नहीं किया जा सकता। उनमें हिम्मत नहीं है कि वे सदन में आएं। पूरे देश ने देखा कि छात्रों पर पैलेट गन से हमला किया गया उन्हें कील वाली लाठियों से मारा पीटा गया। ऐसे में दो बातें जो बहुत अहम हैं कि गृह मंत्री ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों को मारने का आदेश दिया और वह इसके दोषी हैं। उनको पता ही नहीं था कि छात्रों को मारने का आदेश किसने दिया ऐसे में वह अयोग्य हैं।

> "गृह मंत्री ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों को मारने का आदेश दिया और वह इसके दोषी हैं।"

लड़ाई का ट्रेलर सामने आ चुका है?

सत्ता का संदेश साफ है हम एक हैं राहुल का संदेश उससे भी ज्यादा साफ है कि अगर एक हैं तो सामने आइए। यही वह टकराव है जिसने आज की राजनीति को महज बयानबाजी से निकालकर आमने सामने की लड़ाई में बदल दिया है। एनडीए का शक्ति प्रदर्शन उस समय सामने आया है जब मानसून सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच कई मुद्दों पर टकराव बना हुआ है। इससे पहले छात्र आंदोलन नीट से जुड़े विवाद पुलिस कार्रवाई और गृह मंत्री की जवाबदेही को लेकर राहुल गांधी और विपक्ष सरकार पर लगातार हमलावर रहे हैं। राहुल गांधी ने हाल में अमित शाह को हटाने और पूरे घटनाक्रम की जांच की मांग तक की थी।

तस्वीर का दूसरा पहलू

सत्ता के पास संख्या है सरकार के पास संसदीय बहुमत है संसद में एनडीए के सांसद हैं और संगठन की ताकत भी पास है। लेकिन इनसब के बावजूद विपक्ष का नेता बार-बार उसी जगह चोट कर रहा है जहां सत्ता सबसे ज्यादा संवेदनशील दिखाई देती है और वह है जवाबदेही। राहुल गांधी का पूरा राजनीतिक नैरेटिव इसी सवाल के इर्द गिर्द घूमता दिखाई दे रहा है कि अगर सरकार सही है तो सवालों से बचने की जरूरत क्यों है? और यही सवाल आज की राजनीति में सबसे विस्फोटक बन चुका है। क्योंकि लोकतंत्र में ताकत का मतलब सिर्फ बहुमत नहीं होता। ताकत का मतलब सवाल सुनने की क्षमता भी होता है। और राहुल गांधी इसी बिंदु को हथियार बना रहे हैं।

नोटिस बोर्ड पर चस्पा किए जाएं मतदाता सूची में संशोधन प्रस्ताव : अखिलेश यादव

सपा ने सौंपा मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग से मांग की है कि मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने (फॉर्म-6), नाम काटने (फॉर्म-7) और संशोधन (फॉर्म-8) के लिए ईआरओ को प्राप्त होने वाले फॉर्म नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित किए जाएं। अखिलेश यादव की ओर से यह ज्ञापन लखनऊ में मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा गया।

ज्ञापन में कहा गया है कि चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार, प्रदेश की 2०3 विधानसभा क्षेत्रों के 1 लाख 77 हजार 516 मतदेय स्थलों पर ये फार्म जमा होते हैं। फार्म 6 नाम जोड़ने, फार्म 7 नाम काटने और फार्म 8 संशोधन या परिवर्तन के लिए होते हैं। इन फार्मों की एक प्रति ईआरओ (निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी) कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर सात दिनों तक प्रदर्शित करना अनिवार्य है। इससे सात दिनों के भीतर आपत्तियां दाखिल की जा सकें। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 10 अप्रैल 2026 को हुआ था। 11 अप्रैल से प्रतिदिन ये फार्म जमा हो रहे हैं। नाम जोड़ने और काटने के लिए बड़ी संख्या में फार्म 6 और 7 जमा हुए हैं। सपा का कहना है कि एक-एक नाम की सत्यता की जांच बहुत जरूरी है। इससे मतदाता सूची पारदर्शी और त्रुटिहीन बन सकेगी।

सवालों से भाग रही भाजपा सरकार

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार सवालों से भाग रही है। जनता हम लोगों को चुनकर भेजती है। लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना होता है लेकिन यह सरकार सवालों का जवाब नहीं देना चाहती है। दिल्ली में छात्रों, नौजवानों पर आंसू गैस के गोले चले, लाठी चली, करंट लगा, चोटें आयीं,बड़े पैमाने पर छात्र अस्तपाल में भर्ती हुए, इलाहाबाद में आज भी बच्चों के ऊपर मुकदमें दर्ज हुए। कई बच्चें जो आंदोलन में नहीं शामिल थे उनपर भी मुकदमें दर्ज हुए। सरकार ने कहा था कि किसी पर मुकदमें नहीं होंगे। किसी को परेशान नहीं किया जाएगा। लेकिन सरकार अपने वादे से मुकर गयी। ऐसे में सवाल किससे पूछा जाए।

संस्थाओं पर कब्जा करने के लिए एफसीआरए बिल ला रही है सरकार

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि समाजवादी पार्टी डिलिमिटेशन बिल और एफसीआरए बिल का विरोध कर रही है। सरकार संस्थाओं पर कब्जा करने के लिए एफसीआरए बिल ला रही है। ये एफसीआरए से लोगों को डराएंगे। जिन सस्थाओं को अच्छे कार्यों को चलाने के लिए विदेश से पैसा आ रहा है, सरकार उन्हें डराएगी। यह लोग भूमाफिया हैं। जमीन कब्जा कर रहे हैं, एफएसीआरए के बाद ये संस्थाओं पर कब्जा करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। सरकार एफसीआरए बिल अल्पसंख्यकों को परेशान करने के लिए ला रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कई संस्थाएं चल रही है। एक बड़े शहर में भाजपा के मंत्री ने उस संस्था पर कब्जा कर लिया। भाजपा बहुत बड़ी भूमाफिया पार्टी है। उत्तर प्रदेश में तो बड़े पैमाने पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। इन्हें जहां भी खाली जमीन और तालाब दिखाई देता है, कब्जा कर लेते हैं। अयोध्या की पावन धरती पर इन लोगों ने आस्था से खिलवाड़ किया। पन्द्रह-पन्द्रह मिनट में जमीनों के दाम कई-कई गुना बढ़ा कर बेंच दिया।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने वादा किया था कि पैसा भारत से बाहर नहीं जाएगा। काला धन वापस लाया जाएगा। तमाम लोग बैंकों का पैसा भारत से लेकर बाहर चले गए। उनके लिए क्या कानून है। सरकार ने क्या किया? बाहर का पैसा भारत में आए उसके लिए पाबंदी लगाना चाहते हैं लेकिन भारत का पैसा बाहर चला जाए, उस पर कोई पाबंदी नही है। इस सरकार को अपने पुराने नारे याद करना चाहिए। कालाधन वापस आएगा, किसी को पैसा लेकर भागने नहीं देंगे। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जब से भाजपा सत्ता में आयी है पैसे वालों के अच्छे दिन आए हैं। सरकार कानून और गैर कानूनी तरीके से बाहर जाने वाले पैसे पर पाबंदी कब लगाएगी।

यूपी में अंकल पर मचा सियासी बवाल

बसपा के खिलाफ सपा ने खोला मोर्चा, सपा बोली- राजनीति की एबीसीडी नहीं जानते आकाश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में अंकल को लेकर सियासी बवाल मच गया है। दरअसल बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद ने हाथरस की रैली में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को 'अंकल' कहकर निशाना साधा, जिस पर समाजवादी पार्टी की ओर से तीखा पलटवारकिया है। सपा नेता फखरुल हसन ने उनसे पूछा कि क्या वो प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के लिए भी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करेंगे।

समाजवादी पार्टी भी समझती है कि अगर वो सवाल भी उठा रहे हैं तो विपक्ष पर उठा रहे हैं, सत्ता पक्ष से सवाल नहीं कर रहे हैं, वो शायद डर रहे हैं क्योंकि जब सत्ता से सवाल पूछा था तो उन्हें पदमुक्त कर दिया गया था। वो आसान राजनीति करना चाहते हैं। इसलिए विपक्ष के नेताओं के लिए इन शब्दों का का इस्तेमाल कर रहे हैं, हालांकि समाजवादी पार्टी या कॉंग्रेस को इन शब्दों से कोई दिक्क्त नहीं है। हम समझते हैं कि शायद वो गंभीर राजनीति कर रहे होते तो कम से कम शब्दों की गंभीरता को समझते, मुद्दों को समझते। अभी वो गंभीर नहीं है। राजनीति सीख रहे हैं, एबीसीडी सीख रहे हैं तो अभी उनको समय लगेगा।

हाथरस की रैली में दिया था बयान

बता दें कि सोमवार को हाथरस के सादाबाद में बसपा की चुनावी रैली में आकाश आनंद ने कॉंग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला किया था. आकाश ने कहा कि उनकी उम्र 30 साल की है तो क्या वो 50 व्यक्ति को अंकल नहीं कहेंगे तो क्या कहेंगे? इस दौरान उन्होंने सपा के पीडीए के नारे पर ज़ोरदार हमला बोला और कहा कि वो राजनीतिक परिस्थितियों के हिसाब से पीडीए की परिभाषा को बदलते रहते हैं।

सत्ता पक्ष से सवाल पूछने से डरते हैं : फखरुल हसन

सपा नेता फखरुल हसन ने कहा कि आकाश आनंद अब भी विपक्ष से सवाल पूछ रहे हैं लेकिन वो सत्ता पक्ष से सवाल पूछने से डरते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि

कहीं उन्हें फिर से पद मुक्त न कर दिया है। सपा नेता ने कहा- समाजवादी पार्टी समझती है कि आकाश आनंद अभी गंभीर राजनीति नहीं कर रहे हैं, और शायद उनमें गंभीरता की कमी भी है अभी, राजनीति की वो एबीसीडी भी नहीं जानते हैं। शायद इसलिए मायावती जी ने उनको पहले पद मुक्त कर दिया था। फखरुल हसन ने कहा कि वो गंभीर राजनीति नहीं कर रहे हैं जिन शब्दों को इस्तेमाल वो विपक्ष के नेताओं के लिए कर रहे हैं क्या उन्हीं शब्दों का इस्तेमाल वो सत्ता पक्ष के नेताओं के लिए कर सकते हैं? प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री के लिए कर सकते हैं? शायद नहीं कर सकते हैं।

सुप्रिया सुले का पीएम से मिलना कोई गलत नहीं : पृथ्वीराज चव्हाण

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बोले- क्षेत्रीय मुद्दों को उठाना पूरी तरह से सही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। नागपुर में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि सुप्रिया सुले के नेतृत्व में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) के सांसदों का प्रधानमंत्री से मुलाकात करना और क्षेत्रीय मुद्दों को उठाना पूरी तरह से सही है।

हालांकि, उन्होंने यह भी इशारा किया कि शरद पवार की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जयंत पाटिल की देवेंद्र फडणवीस से हुई मुलाकातों के बाद पार्टी के अंदर कुछ राजनीतिक हलचल जरूर चल रही है। चव्हाण के अनुसार, यदि कोई जनप्रतिनिधि अपने संसदीय क्षेत्र या राज्य के विकास कार्यों और लंबित मामलों को लेकर शीर्ष नेतृत्व से संवाद करता है, तो उसमें कोई बुराई नहीं है। हालांकि, जब उनसे हाल में शरद पवार और प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात तथा पार्टी के एक वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बीच हुई बैठक के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि राकांपा (शरद चंद्र पवार) में कुछ चल रहा है।

शरद पवार के नेतृत्व वाले राकांपा धड़े के सभी लोकसभा सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल ने पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले के नेतृत्व में मोदी से मुलाकात की और महाराष्ट्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। राकांपा (शरद चंद्र पवार) ने कहा कि सांसदों ने लंबित मामलों पर चर्चा की और प्रधानमंत्री को महाराष्ट्र के लोगों की समस्याओं से अवगत कराया। हाल में शरद पवार ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी, जबकि पार्टी के वरिष्ठ नेता जयंत पाटिल ने फडणवीस से मुलाकात की थी, जिससे राजनीतिक हलकों में अटकलें तेज हो गई थीं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

आकाश आनंद ने भाजपा, कांग्रेस व सपा को घेरा

हाथरस में रैली में सधे तरीके से विपक्षी नेताओं को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाजवादी पार्टी के नेशनल कॉर्डिनेटर और बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने सोमवार को हाथरस के सादाबाद में एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान जिस आक्रामक अंदाज़ में नज़र आए उससे उन्हें लेकर एक बार फिर से चर्चाएं तेज हो गई हैं। उनके तेवर भले ही उतने ही तीखे हैं लेकिन, शुरुआती झटकों के बाद वो परिपक्व हो गए हैं।

यूपी चुनाव 027 की तैयारियों को लेकर आकाश आनंद चुनावी मैदान में कूद गए हैं। जिसकी शुरुआत बसपा ने हाथरस की रैली से कर दी है। इस रैली में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक आए थे। इस दौरान युवाओं में आकाश आनंद को लेकर पहले की तरह क्रेज़ दिखाई दिया तो वहीं उनके अंदाज में बसपा सुप्रीमो मायावती की नसीहतों का भी असर देखने को मिला। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि नितिन गडकरी कहते हैं कि 24 तक भारत की सड़कें अमेरिका जैसी बना देंगे, लेकिन सच्चाई यह है कि देश का सबसे महंगा और घटिया एक्सप्रेस-वे भाजपा नेताओं के करीबियों द्वारा बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यूपी में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन मुस्लिम-जाट-यादव समीकरण के भरोसे है। बीएसपी खुद को एकमात्र ऐसी पार्टी के रूप में पेश कर रही है, जो भाजपा की नीतियों पर सबसे सुसंगत और तथ्य आधारित हमला बोल रही है।

विवादित बयानों से बचते आए नजर

आकाश आनंद ने चुन-चुनकर सत्ता पक्ष से लेकर विरोधी दलों पर निशाना साधा। एक तरफ जहां युवाओं और छात्र आंदोलनों की बात करके समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को आड़े हाथों लिया तो वहीं सत्ता पक्ष को घेरने में भी उन्होंने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। लेकिन, इस पूरी सभा में उन्होंने कोई विवादित बयान नहीं दिया। जिससे उनकी सियासी परिपक्वता का पता चलता है। मायावती ने 24 के लोकसभा चुनाव में आकाश आनंद को बड़ी जिम्मेदारी देते हुए उन्हें स्टार प्रचारक बनाया था। इस दौरान उन्होंने जिस आक्रामक तरीके से चुनाव प्रचार किया उससे उनके समर्थकों में जबरदस्त जोश देखने को मिला। यहीं नहीं बहुत कम समय में उन्होंने युवाओं के बीच अपनी जगह बनाई और वो उनकी पसंद गए। इस दौरान सीतापुर की रैली में आकाश आनंद ने विवादित बयान दिया था, जिसके बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने बीच में उनसे चुनाव प्रचार की सारी जिम्मेदारी ले ली थी। यहीं नहीं बाद में उन्हें उत्तराधिकारी पद से भी हटा दिया और पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था।

मुलाकातों के दौर से सियासी सरगर्मी बढ़ी

चुनावी माहौल के बीच इस मुलाकात से बनेगी कुछ खास बात

» पीएम मोदी व शिअद प्रमुख सुखवीर बादल के साथ आने पंजाब में राजनीति में गढ़ने लगे सवाल

» पीके व सुनेत्रा के मुलाकात के बाद महाराष्ट्र नेताओं में धुकधुकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सार्वजनिक जीवन में किसी भी दल के नेता का किसी अन्य दल के नेता मिलना आम बात है। पर जब यह मुलाकात चुनाव के आस-पास हो तो चर्चा होनी आम बात हो जाती है। अगले साल में पंजाब में चुनाव है। वहां पर आप की सरकार है। उसे हटाने के लिए कांग्रेस व भाजपा दोनों जुगत लगा रही है। कांग्रेस अकेले दम आप को टक्कर देन सक्षम हैं। भाजपा में अभी ये संभव नहीं है। वह प्रकाश सिंह बादल के सहयोग से सत्ता में रह पाती है। पर शिअद से उसका गठबंधन टूट गया था। पर एकबार फिर पीएम मोदी व सुखवीर सिंह बादल की मुलाकात के बाद सियासत गर्म हो गई है।

हालांकि इसको लेकर आप व कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधा है। इन दोनों को कहना है कि विपक्ष की लोकप्रियता से भाजपा घबरा गई हैं। उधर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की एनसीपी अध्यक्ष सुनेत्रा पवार से मुलाकात के बाद महाराष्ट्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है; किशोर ने कथित तौर पर महाराष्ट्र एनसीपी अध्यक्ष सुनील तटकरे को हटाने का सुझाव दिया है, जिस पर तटकरे ने रणनीतिकारों की ज़रूरत पर सवाल उठाते हुए आपत्ति जताई है। यह घटनाक्रम एनसीपी के भीतर संभावित नेतृत्व परिवर्तन और गहरे मतभेद का संकेत देता है। शिअद के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हुई मुलाकात के बाद अटकलें तेज हो गई हैं कि कभी सहयोगी रहे दोनों दल अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए फिर से साथ आ सकते हैं। इस मुलाकात का जिक्र करते हुए बघेल ने कहा कि अब तक भाजपा अकाली दल से दूरी बनाए हुए थी, लेकिन अब उसे अपनी स्थिति का एहसास हो गया है और ऐसा लगता है कि वह गठबंधन के लिए रास्ता तैयार कर रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले सुखबीर बादल

पंजाब की राजनीति में शुक्रवार को उस समय अचानक हलचल तेज हो गई जब शिरोमणि अकाली दल (बादल) के प्रधान सुखबीर सिंह बादल ने संसद भवन पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं की मुलाकात को पंजाब की सियासत में अहम घटनाक्रम के तौर पर देखा जा रहा है। मुलाकात के बाद सबसे ज्यादा चर्चा 27 के विधानसभा चुनाव को लेकर शुरू हुई है। राजनीतिक गलियारों में सवाल उठने लगा है कि क्या कभी पुराने सहयोगी रहे अकाली दल और भाजपा एक बार फिर चुनावी गठबंधन की राह पर लौट सकते हैं? अकाली दल और भाजपा लंबे समय तक पंजाब में गठबंधन सहयोगी रहे हैं। कृषि कानूनों पर किसानों के आंदोलन के बाद दोनों दलों की राहें अलग हुई थी। 22 का विधानसभा चुनाव दोनों गुटों ने अलग-अलग लड़ा था। इसके बाद 24 के लोकसभा चुनाव में भी दोनों के रास्ते अलग रहे। ऐसे में मोदी और सुखबीर बादल की मुलाकात को आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। पंजाब में 27 का चुनाव आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, भाजपा और अकाली दल के बीच बहुकोणीय मुकाबले की तस्वीर पेश कर सकता है। भाजपा और अकाली दल के बीच संभावित तालमेल चुनावी गणित को प्रभावित कर सकता है। ग्रामीण और शहरी पंजाब में दोनों दलों के अलग-अलग प्रभाव क्षेत्रों को देखते हुए गठबंधन की स्थिति में मुकाबले के समीकरण बदल सकते हैं। हालांकि, दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद गठबंधन को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि बैठक में पंजाब के राजनीतिक हालात के अलावा 27 के चुनाव को लेकर कोई ठोस चर्चा हुई या नहीं।

पार्टी के रोडमैप पर चर्चा की

माना जा रहा है कि पवार परिवार ने किशोर के साथ पार्टी के रोडमैप पर चर्चा की, जिसमें किशोर ने सुझाव दिया कि तटकरे को बदल दिया जाए क्योंकि वे महाराष्ट्र अध्यक्ष के तौर पर पर्याप्त काम नहीं कर रहे थे। रायगढ़ से लोकसभा सांसद तटकरे ने कहा कि मुझे नहीं पता कि क्या बातचीत हुई। हम प्रैक्टिकल लोग हैं और थ्योरी में यकीन नहीं रखते। सच कहूं तो, मुझे रणनीतिकारों की जरूरत नहीं है क्योंकि मैं जमीनी स्तर पर काम करने वाला व्यक्ति हूं। किसी गांव का दौरा करने से ही मुझे वहां के लोगों का मूड पता चल जाता है।

केजरीवाल ने मुलाकात पर कसा तंज

वहीं इस बैठक पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने तंज कसा है। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा- ना ना करते प्यार तुम्हीं से कर बैठे। तो क्या चन्दा चोर पार्टी और बेअदबी पार्टी का गठबंधन हो रहा है?

महायुति के सहयोगियों के बीच हलचल मची

नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के नेताओं और चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर के बीच हुई बैठक से पार्टी और उसके महायुति सहयोगियों के बीच हलचल मच गई। बैठक के बाद ऐसी अटकलें तेज़ हो गईं कि किशोर—जिनकी जन सुराज पार्टी ने इस हफ्ते की शुरुआत में बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में बड़ी जीत हासिल की थी—महाराष्ट्र में पार्टी नेतृत्व में बदलाव चाहते हैं और राज्य इकाई के प्रमुख सुनील तटकरे को हटाकर किसी और को लाना चाहते है।

एनसीपी से नाराज हुई भाजपा

दूसरी ओर, किशोर की एनसीपी नेताओं के साथ हालिया मुलाकात से उनकी सहयोगी पार्टी भाजपा नाराज हो गई। किशोर भाजपा के कड़े आलोचक रहे हैं और हाल ही में उन्होंने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को हराया था। भाजपा नेता और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि उन्हें अपनी पार्टी के भीतर फैसले लेने का अधिकार है। हालाँकि, किसी को भी ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए जिससे शक या गलतफहमी पैदा हो या कोई नुकसान हो। उन्होंने कहा कि यह सभी नेताओं - हमारे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उनके डिप्टी एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार - और हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम एक-दूसरे को कमजोर न करें। हमें टकराव से बचना चाहिए और मिलकर काम करना चाहिए। मुझे यकीन है कि सुनेत्रा जी इस पर उचित ध्यान देंगी।

कांग्रेस के बढ़ते कद से भाजपा घबराई : बघेल

कांग्रेस के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने दावा किया कि कांग्रेस को मिल रहे जबरदस्त जनसमर्थन से भाजपा घबराने लगी है। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि भाजपा ने राज्य में संभावित गठबंधन के लिए शिरोमणि अकाली दल के साथ संवाद के रास्ते खोल दिए हैं। बघेल ने यहां जारी 'हर बूथ, कांग्रेस मजबूत' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च में पंजाब दौरे के दौरान दावा किया था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 27 का पंजाब विधानसभा चुनाव बिना किसी गठबंधन के अकेले लड़ेगी। उन्होंने कहा, लेकिन कांग्रेस को मिल रहे जबरदस्त समर्थन को देखकर भाजपा घबरा गई है और उसने अकाली दल के साथ बातचीत शुरू कर दी है।

तटकरे ने पार्टी के नए चुनावी रणनीतिकार की नियुक्ति पर सवाल उठाए

हालांकि, तटकरे ने पार्टी के नए चुनावी रणनीतिकार के तौर पर किशोर की नियुक्ति पर सवाल उठाए, क्योंकि किशोर खुद एक पार्टी चला रहे हैं — इससे पार्टी के अंदर मतभेद और गहरे हो गए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी को किसी चुनावी रणनीतिकार की जरूरत नहीं है। उनका तर्क था कि चुनाव सलाह या कैंपेन थीम से नहीं, बल्कि आम लोगों से जुड़ने की क्षमता से जीते जाते हैं। गुरुवार को किशोर ने एनसीपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा पवार और उनके बड़े बेटे पार्थ से मुलाकात की, जो राज्यसभा सांसद भी हैं; उनके दूसरे बेटे जय ने वर्चुअल तरीके से बैठक में हिस्सा लिया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

क्या बदल रहा जनता का मूड

जिस प्रकार किसी खाने का स्वाद चख कर पूरे खाने के जायके का पता लगाया जाता है। वैसे ही सामाजिक, राजनीतिक व सार्वजनिक जीवन में छोटी-छोटी घटनाओं से वर्तमान की दिशा व दशा का पता चल जाता है। उसी प्रकार लोकतांत्रिक राजनीति में कई बार छोटे चुनाव भी बड़े संदेश दे जाते हैं। अभी तीन राज्यों में तीन सीटों पर उपचुनाव हुए जिसमें सता में बैठी भाजपा को झटका लगा जबकि कांग्रेस की जीत से उसकी उम्मीद जगी। तो क्या ऐसा माना जाए कि जनता का मूड बदल रहा है। विधानसभा उपचुनावों को लंबे समय तक केवल रिक्त सीटों को भरने की औपचारिक प्रकि या माना जाता रहा है। सामान्य धारणा यही रही कि जिस राज्य में जिस दल की सरकार होती है, प्रशासनिक बढ़त, संगठनात्मक शक्ति और सत्ता के प्रभाव के कारण वही दल उपचुनाव आसानी से जीत जाता है। इसी कारण उपचुनावों के परिणामों को व्यापक राजनीतिक संकेतक के रूप में कम ही देखा जाता था किंतु पिछले कुछ वर्षों में यह धारणा तेजी से बदली है।

अब उपचुनाव केवल एक सीट का फैसला नहीं करते बल्कि जनता के तत्कालीन मनोभाव, सरकार के प्रति संतोष-असंतोष, संगठन की मजबूती, नेतृत्व की स्वीकार्यता और भविष्य की राजनीतिक दिशा के संकेत भी देते हैं। बिहार के बांकीपुर, मध्य प्रदेश के दतिया और गुजरात के मांझलपुर विधानसभा उपचुनावों ने भी यही संदेश दिया है। तीन सीटों में से दो पर भाजपा की हार और केवल एक पर जीत ने राजनीतिक विश्लेषकों को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या ये केवल स्थानीय परिस्थितियों का परिणाम हैं अथवा भाजपा के सामने उभर रही नई राजनीतिक चुनौतियों का प्रारंभिक संकेत? उपचुनाव सत्ता परिवर्तन का जनादेश नहीं होते किंतु वे जनता के बदलते मानस की पहली आहट अवश्य होते हैं और यही कारण है कि इन परिणामों को गंभीरता से समझने की आवश्यकता है। सबसे अधिक चर्चा बिहार की बांकीपुर सीट की रही। यह सीट केवल एक विधानसभा क्षेत्र नहीं थी बल्कि भाजपा की राजनीतिक प्रतिष्ठा का प्रतीक मानी जाती थी। लगभग तीन दशक से यह भाजपा का अभेद्य दुर्ग रहा। नितिन नवीन के राज्यसभा सदस्य बनने के बाद यह सीट रिक्त हुई और भाजपा को अटूट विश्वास था कि उसका यह गढ़ सुरक्षित रहेगा किंतु जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने न केवल भाजपा का यह किला ध्वस्त कर दिया बल्कि बिहार की राजनीति में नए विकल्प की संभावनाओं को भी मजबूत कर दिया।

“ अभी तीन राज्यों में तीन सीटों पर उपचुनाव हुए जिसमें सता में बैठी भाजपा को झटका लगा जबकि कांग्रेस की जीत से उसकी उम्मीद जगी। तो क्या ऐसा माना जाए कि जनता का मूड बदल रहा है। विधानसभा उपचुनावों को लंबे समय तक केवल रिक्त सीटों को भरने की औपचारिक प्रकि या माना जाता रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मुद्दों को तलाशने-तराशने की कवायद

केवल तिवारी

लगभग छह माह बाद उत्तराखंड में सियासत की नई छटा दिखेगी। मतदान की तिथि घोषित होने में अभी कुछ समय बाकी है। कुछ-कुछ मैदानी और पहाड़ी मिश्रित इस राज्य में चुनावी बयार तो बह चली है। मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही होना है, हालांकि कई अन्य पार्टियां भी ताल ठोकने को तैयार हैं। इन सबके बीच यह राज्य मुद्दों के एक बड़े 'लेकिन' में फंसा दिखता है। सड़कों का जाल फैलाने के लिए पेड़ों को काटा जा रहा है और कार्यकर्ता पेड़ कटाई का विरोध कर रहे हैं। सवाल है कि यह 'लेकिन' सियासी मुद्दा कैसे बने? यह अलग बात है कि सरकार ने फिलहाल पेड़ कटाई रोक दी है, लेकिन यह रोक रहेगी कब तक? लंबे समय से राज्य में भू-कानून की मांग उठ रही है, और यदि वह लागू हुआ भी तो आधा-अधूरा।

फिर सवाल उठता है कि 'लेकिन' इसे चुनावी मुद्दा कैसे बनाया जाए? अतिरेक पर्यटन से राज्य के कुछ इलाकों के लोग परेशान हैं, लेकिन सवाल वही है कि इसे मुद्दा बनाया कैसे जाए? अयोध्या में राम मंदिर दान में हेराफेरी के बाद बद्रीनाथ धाम से भी ऐसी ही खबरें आईं, पर इसे भी सियासी मुद्दा 'लेकिन' बनाया कैसे जाए? सत्ता पक्ष के खिलाफ विपक्ष के मुद्दे तो अनेक हैं, लेकिन इन्हें भुनाने के लिए अगुवाई कौन करे? सत्ता पक्ष के पास छिपाने के साथ ही बताने के लिए भी बहुत कुछ है, लेकिन उन मुद्दों को चुनावी धार में बदला कैसे जाए? पिछली बार अरविंद केजरीवाल के दल 'आम आदमी पार्टी' को मुंह की खानी पड़ी थी, जिसने एक से बढ़कर एक वादे किए थे। इस बार 'लेकिन' वह करे क्या? अखिलेश यादव की सपा से अब भी अनेक लोगों को 'चिढ़' है, जिसका मुख्य मुद्दा उत्तराखंड आंदोलन के दौरान हुआ रामपुर तिराहा कांड है। सपा अब सियासी बिसात बिछा रही है, और इस पुरानी चिढ़ का तोड़ यह सवाल है कि स्व. मुलायम सिंह यादव को तो केंद्र की भाजपा सरकार देश का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान 'पद्म विभूषण' दे चुकी है।

इस पर सपा की सफाई को 'लेकिन' मुद्दे के रूप में आगे बढ़ाया कैसे जाए? यह अलग बात है कि सपा ने उन्हें भारत रत्न देने की मांग की है। मायावती की बसपा का कुछ जनाधार मैदानी उत्तराखंड जैसे उधम सिंह नगर आदि में है, और उसके सामने 'लेकिन' चंद्रशेखर आजाद की पार्टी 'आजाद समाज पार्टी (कांशीराम)' खड़ी है। गौर करने की बात है कि चंद्रशेखर 'भीम आर्मी' संगठन के भी प्रमुख हैं और इस संगठन की भी कुछ इलाकों में अच्छी पहुंच है। इन दलों के अलावा उत्तराखंड क्रांति दल, उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा और वामपंथी दल भी फिलहाल सक्रिय दिख रहे हैं, लेकिन क्या चुनाव में ये दल एक होंगे या अलग-अलग लड़ेंगे? इन सबके बीच मुख्य लड़ाई तो सत्ताधारी भाजपा एवं मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस में ही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने हाल ही में नई टीम का गठन किया है और बूथ स्तर के पदाधिकारियों की भी नियुक्तियां की गई हैं। ऊपर से सब सामान्य दिख रहे इस मामले में अंदरखाने कई 'लेकिन' हैं। कहने को तो अनेक प्रभारियों को नियुक्त किया गया है, जो संगठन और सरकार के बीच समन्वय करेंगे, परंतु नाराज लोगों का 'लेकिन' क्या होगा? वैसे, नई नियुक्तियों के बाद भाजपा ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि पार्टी चुनावी मोड़ में आ चुकी है। सत्ता पक्ष के खिलाफ विपक्ष के पास बद्रीनाथ दान हेराफेरी मामले के अलावा अंकिता भंडारी हत्याकांड, कानून-व्यवस्था और पेपर लीक जैसे मुद्दे भी हैं। वहीं, सत्ता पक्ष यूसीसी, पेपर लीक के खिलाफ कठोर कानून और सड़कों के विस्तार जैसे मुद्दों को लेकर चल रही है। वह अपने स्टार प्रचारकों में पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी अनेक बार लाने की कोशिश में जुटी है, लेकिन योगी क्या अपने राज्य के चुनावी रथ पर उसी वक्त

सवार नहीं होंगे? इस बीच कांग्रेस ने भी कई वरिष्ठ नेताओं को चुनावी तैयारी की जिम्मेदारी सौंप दी है। हरियाणा कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद कुमारी सैलजा को उत्तराखंड का प्रभार दिया गया है। उनकी देखरेख में हाल ही में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने विद्यार्थियों से संवाद किया।

उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व सीएम हरीश रावत, पूर्व सांसद प्रदीप टमटा समेत अनेक दिग्गजों को विभिन्न समितियों में लगाया गया है। इनमें से कई लोगों ने हाल ही में बनी सड़कों की 'दुर्दशा' को मुद्दा बनाना शुरू किया है, लेकिन इस मुद्दे से आमजन को जोड़ा कैसे जाए, यह एक बड़ा सवाल है। उत्तराखंड की जमीनी राजनीति में देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी गढ़वाल और उधम सिंह नगर बेहद अहम हैं। इन खास जिलों में से सिर्फ उधम सिंह नगर कुमाऊं मंडल का है, जबकि बाकी हिस्से गढ़वाल मंडल में आते हैं।

बेहतर तैयारी ही जल निकासी संकट का समाधान

विवेक शर्मा

मानसून आते ही शहरों का जलमग्न होना अब एक आम बात हो गई है। यह केवल मौसम की चुनौती नहीं, बल्कि हमारे शहरी नियोजन की उस विफलता का परिणाम है, जिसमें कंक्रीट के जंगल तो खड़े कर दिए गए, लेकिन पानी की निकासी के प्राकृतिक रास्ते बंद कर दिए। भारत में मानसून केवल एक मौसम नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक उत्सव है। लेकिन हमारे आधुनिक शहरों में इसकी दस्तक अक्सर एक खौफनाक दु:स्वप्न में बदल जाती है। हर वर्ष की बरसात यह साफ कर देती है कि शहर आसमान से बरसने वाले पानी में नहीं, बल्कि अपनी योजनाओं की कमियों और प्रशासनिक विफलताओं में डूबते हैं। कुछ घंटों की तेज बरसात हमारे तथाकथित आधुनिक शहरी नियोजन की तमाम कमजोरियों को उजागर कर देती है। सड़कें जलमग्न हो जाती हैं, यातायात थम जाता है, बाजारों में पानी भर जाता है और लोगों की दिनचर्या बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाती है।

मौसम साफ होते ही नगर निगमों की समीक्षा बैठकों, दावों और आश्वासनों का अंतहीन सिलसिला शुरू हो जाता है। फाइलें आगे बढ़ती हैं, बजट पास होते हैं, लेकिन अगले वर्ष फिर भयावह हालात सामने आते हैं। मूल सवाल यह नहीं कि वर्षा कितनी हुई, बल्कि यह कि हमारे 'स्मार्ट' होते शहर हर साल पानी के सामने इतने बेबस क्यों साबित होते हैं। हर बरसात हमें एक बेहद असहज सच का आईना दिखाती है कि हमने शहरों का अंधाधुंध विस्तार तो किया, लेकिन उनकी बुनियादी क्षमता और जल निकासी अवसंरचना को उसी अनुपात में मजबूत नहीं किया। आबादी तेजी से बढ़ी, गगनचुंबी इमारतें खड़ी हुईं और सड़कें चौड़ी की गईं, लेकिन इस कंक्रीट के जंगल में वर्षा के पानी के लिए प्राकृतिक जगह लगातार सिकुड़ती गई। यही कारण है कि महज कुछ घंटों की बरसात पूरे शहरी ढांचे की नींव हिला देती है। यह केवल मौसम की अप्रत्याशित चुनौती नहीं, बल्कि हमारी अदूरदर्शी विकास नीति और शहरी नियोजन की भी कड़ी परीक्षा है, जिसमें हम लगातार विफल हो रहे हैं।

असल समस्या वर्षा नहीं, बल्कि हमारी विकास की मौजूदा सोच है। शहर जितनी बेतहाशा रफ्तार से फैले, उतनी तेजी से उनकी जल निकासी व्यवस्था (ड्रेनेज सिस्टम को नहीं सुधारा गया। विकास और पर्यावरण के बीच का यही असंतुलन हर बरसात में सड़कों पर तैरता दिखाई देता है। नई पॉश कॉलोनियां बसती गईं, फ्लाईओवर और एक्सप्रेसवे बनते गए, लेकिन सदियों पुराने तालाब, जोहड़, झीलें और प्राकृतिक नाले लगातार अतिक्रमण का शिकार होकर सिमटते गए। पानी का अपना प्राकृतिक ढलान और प्रवाह होता है। जब विकास के नाम पर हमने उसका मार्ग अवरुद्ध कर दिया, तो उसने पक्की सड़कों को ही अपना नया रास्ता बना लिया। हमने कागजों पर शहरों का नक्शा तो बदल दिया, लेकिन पानी का मूल स्वभाव नहीं बदल सके। जहां कभी बड़े-बड़े तालाब और शहर का पानी बाहर ले जाने वाले प्राकृतिक नाले थे, वहां आज बहुमंजिला इमारतें और चमचमाती सड़कें खड़ी हैं। पानी अपनी पुरानी राह नहीं भूलता। हर वर्ष वह हमें कठोरता से याद दिलाता है कि प्रकृति के नियम इंसानों द्वारा बनाए गए मास्टर प्लान से नहीं बदलते। किसी भी आधुनिक शहर की असली ताकत केवल उसकी ऊंची इमारतों में नहीं, बल्कि उसकी सुदृढ़ जल निकासी व्यवस्था, हरित क्षेत्रों और प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण में निहित होती है।

इन्हें नजरअंदाज करके किया गया विकास पहली ही तेज बरसात में अपनी कमजोरियां उजागर कर देता है। चिंताजनक है कि यह समस्या अब महानगरों तक सीमित नहीं रही है। तेजी से विकास की दौड़ में शामिल हो रहे छोटे और मध्यम शहर (टियर-2 और टियर-3 भी हर वर्ष इसी जलभराव से जूझ रहे हैं। मानसून से पहले नालों की सफाई (डिसिल्टिंग के दावे पहली ही बरसात में पानी में बह जाते हैं। वहीं दूसरी ओर, पॉलीथीन व ठोस कचरे का नालों में बहाया जाना तथा अतिक्रमण निकासी प्रणाली को अवरुद्ध कर देते हैं। यह केवल प्रशासन की विफलता नहीं, बल्कि नागरिकों की भी साझा जिम्मेदारी का प्रश्न है। इस कुप्रबंधन का सबसे अधिक नुकसान आम नागरिक को उठाना पड़ता है। घंटों जाम में फंसा कर्मचारी, जलमग्न सड़कों के बीच अस्पताल पहुंचने के लिए संघर्षरत मरीज, प्रभावित छोटे व्यापारी और दिहाड़ी मजदूर, सभी इसकी भारी कीमत चुकाते हैं।

अंडरपास में जलभराव से होने वाले हादसे आम हो गए हैं। इसके बाद डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड जैसी जलजनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए, यह केवल सड़क पर जमा पानी का मुद्दा नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और जीवन की गुणवत्ता का भी प्रश्न है। जलवायु परिवर्तन ने इस चुनौती को और कठिन बना दिया है। अब कम समय में अत्यधिक वर्षा (क्लाउड बर्स्ट की घटनाएं बढ़ रही हैं, जबकि अधिकांश शहरों का ड्रेनेज ढांचा पुराने मानकों पर आधारित है और इस नए दबाव को झेलने में असमर्थ है। दुनिया के कई शहर अब वर्षा के पानी को बोझ नहीं, बल्कि संसाधन मानकर 'स्पंज सिटी' मॉडल अपना रहे हैं, जिसमें वर्षा के पानी को जमीन में समाने, संरक्षित करने और पुन: उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि जलभराव कम हो और भूजल भी रिचार्ज हो सके। भारतीय शहरों को भी यही दूरदर्शी दृष्टि अपनानी होगी।

हरियाली तीज

प्राचीन शिव मंदिरों के करें दर्शन

श्रावण मास जारी है। यह माह भगवान शिव का बहुत प्रिय माना जाता है। सावन में शिव जी की उपासना की जाती है और शिव मंदिरों के दर्शन कर पूजा अर्चना करते हैं। सावन के महीने में हरियाली तीज, नागपंचमी जैसे त्योहार मनाए जाते हैं। यह पर्व भी भगवान भोलेनाथ से जुड़े हुए हैं। इस मौके पर देशभर के शिव मंदिरों में भव्य आयोजन होते हैं। मंदिर में भक्तों की भीड़ लगती है, जो भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए जलाभिषेक और पूजा अर्चना करने यहां पहुंचते हैं। इस वर्ष हरियाली तीज 15 अगस्त को है। हरियाली तीज के मौके पर शिव मंदिरों के दर्शन के लिए जा सकते हैं। भारत के कुछ प्राचीन और अद्भुत शिव मंदिरों में दर्शन करने का प्लान बनायें।

काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग, बनारस

दो दिन का वक्त है तो उत्तर की पवित्र नगरी बनारस जा सकते हैं। बनारस को काशी या वाराणसी के नाम से भी जाना जाता है। यह बाबा विश्वनाथ का धाम है। बनारस में गंगा नदी के पश्चिम घाट पर सातवें ज्योतिर्लिंग काशी विश्वनाथ का मंदिर है। मान्यता है कि यह शहर शिव जी के त्रिशूल पर टिका है। हरियाली तीज या नागपंचमी के मौके पर काशी विश्वनाथ मंदिर में काफी भीड़ हो सकती है।

हरियाली तीज हाथों में मेहंदी, हरी चूड़ियों, झूले, लोकगीत और भगवान शिव-माता पार्वती की पूजा का पर्व है। तीज पर कई जगह महिलाएं मंदिरों में पहुंचकर शिव-पार्वती की पूजा करती हैं, जबकि कुछ शहरों में तीज के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, मेले और शोभायात्राएं आयोजित की जाती हैं। तीज के मौके पर कई मंदिरों में मेले का आयोजन होता है।

जटोली मंदिर सोलन

हरियाली तीज वीकेंड पर मनाया जा रहा है और इसके बाद सोमवार को नागपंचमी है। अगर आपके पास तीन दिन का वक्त है और परिवार या दोस्तों संग किसी ट्रिप पर जाने की इच्छा है तो एशिया के सबसे ऊंचे शिव मंदिर के दर्शन के लिए जा सकते हैं। यह मंदिर हिमाचल प्रदेश के सोलन शहर से करीब सात किलोमीटर दूर है। एशिया के सबसे ऊंचे शिव मंदिर का नाम जटोली मंदिर है। मंदिर को दक्षिण द्रविड़ शैली से बनाया गया है।

शंगचुल महादेव मंदिर, कुल्लू

महाभारत काल से हिमाचल प्रदेश के कुल्लू के शांघड़ गांव में एक प्राचीन शिव मंदिर है, जो शंगचुल महादेव के नाम से मशहूर है। शंगचुल महादेव मंदिर का सीमा क्षेत्र करीब 100 बीघा का मैदान है। जैसे ही इस सीमा में कोई प्रेमी युगल पहुंचता है वैसे ही उसे देवता की शरण में आया हुआ मान लिया जाता है। यहां भागकर आए प्रेमी युगल के मामले जब तक सुलझ नहीं जाते तब तक मंदिर के पंडित प्रेमी युगलों की खातिरदारी करते हैं।

हंसना मना है

दादी को गीता पढ़ते देख पोते ने अपनी मां से पूछा, मां दादी कौन की परीक्षा की तैयारी कर रही हैं? मां : बेटा ये फाइनल ईयर की तैयारी कर रही हैं?

पति अपनी बीवी को हॉस्पिटल ले गया और नर्स से कहा: अगर लड़का हो तो कहना कि टमाटर हुआ है। अगर लड़की हो तो कहना प्याज हुई है..! इत्तेफाक से लड़का-लड़की दोनों जुड़वा हो जाते हैं। और नर्स कन्फ्यूजन में बाहर आकर बोली..सर बधाई हो 'सलाद' हुआ है..!

एक बार एक कलेक्टर, एक एसपी, एक मंत्री और एक शिक्षाकर्मी बैठे बातें कर रहे थे। कलेक्टर: हम तो इलाके के मालिक होते हैं। जिससे जो मर्ज़ी करवा लें। एसपी: हम जिसे चाहे अंदर करके ठोक दें। हमारा भी बड़ा रौब होता है। मंत्री: हमारा तो जलवा है बॉस।।। हम चाहे कुछ भी करें, कोई माई का लाल कुछ नहीं बोल सकता। शिक्षाकर्मी: हमारा तो जी कोई रौब नहीं होता। सारा दिन बच्चों को मुर्गा बना के कूटते हैं। आगे सालों की मर्ज़ी, कलेक्टर बनें, एसपी बनें, या नेता।

दो चूहे पेड़ पर बैठे थे, नीचे से एक हाथी गुजरा। एक चूहा हाथी पर गिर गया। तभी दूसरा चूहा बोला, दबा कर रख साले को, मैं भी आता हूं।

कहानी — तीन साधू

एक औरत अपने घर से निकली, उसने घर के सामने सफेद लम्बी दाढ़ी में तीन साधू-महात्माओं को बैठे देखा। वह उन्हें पहचान नही पायी। उसने कहा, मैं आप लोगों को नहीं पहचानती, बताइए क्या काम है? हमें भोजन करना है। साधुओं ने बोला। कृपया मेरे घर में पधारिये और भोजन ग्रहण कीजिये। क्या तुम्हारा पति घर में है? नहीं, वह कुछ देर के लिए बाहर गए हैं। औरत ने उत्तर दिया। तब हम अन्दर नहीं आ सकते, तीनो एक साथ बोले। थोड़ी देर में पति घर वापस आ गया, उसे साधुओं के बारे में पता चला तो उसने तुरंत अपनी पत्नी से उन्हें पुनः आमंत्रित करने के लिए कहा। वह साधुओं के समक्ष गयी और बोली, जी, अब मेरे पति वापस आ गए हैं, कृपया आप लोग घर में प्रवेश करिए! हम किसी घर में एक साथ प्रवेश नहीं करते। ऐसा क्यों है? औरत ने अचरज से पूछा। मध्य में खड़े साधू ने बोला, पुत्री मेरी दायीं तरफ खड़े साधू का नाम 'धन' और बायीं तरफ खड़े साधू का नाम 'सफलता' है, और मेरा नाम 'प्रेम' है। अब जाओ और अपने पति से विचार-विमर्श करके बताओ की तुम हम तीनों में से किसे बुलाना चाहती हो। औरत अन्दर गयी और अपने पति से सारी बात बता दी। पति बेहद खुश हो गया। चलो जल्दी से 'धन' को बुला लेते हैं, उसके आने से हमारा घर धन-दौलत से भर जाएगा। औरत बोली, क्यों न हम सफलता को बुला लें, उसके आने से हम जो करेंगे वो सही होगा। तुम्हारी बात भी सही है, पर इसमें मेहनत करनी पड़ेगी, मुझे तो लगता ही धन को ही बुला लेते हैं। पति बोला। थोड़ी देर उनकी बहस चलती रही पर वो किसी निश्चय पर नहीं पहुच पाए, अंततः निश्चय किया कि वह साधुओं से यह कहेंगे कि धन और सफलता में जो आना चाहे आ जाये। औरत की बात सुनकर साधुओं ने एक दूसरे की तरफ देखा और बिना कुछ कहे घर से दूर जाने लगे। अरे! आप लोग इस तरह वापस क्यों जा रहे हैं? पुत्री, दरअसल हम तीनो साधू इसी तरह द्वार-द्वार जाते हैं, और हर घर में प्रवेश करने का प्रयास करते हैं, जो व्यक्ति लालच में आकर धन या सफलता को बुलाता है हम वहां से लौट जाते हैं, और जो अपने घर में प्रेम का वास चाहता है उसके यहां बारी- बारी से हम दोनों भी प्रवेश कर जाते हैं। इसलिए इतना याद रखना कि जहां प्रेम है वहां धन और सफलता की कमी नहीं होती। ऐसा कहते हुए धन और सफलता नामक साधुओं ने अपनी बात पूर्ण की।

7 अंतर खोजें

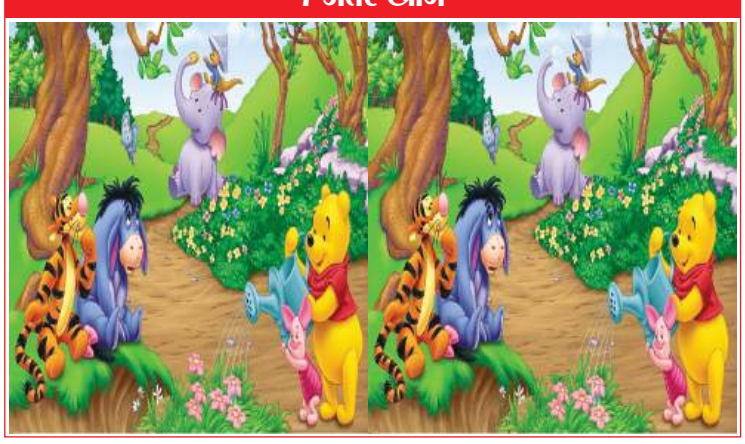

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — तीक्ष्ण सूझबूझ और पराक्रम से कठिन परिस्थितियां भी आपके पक्ष में मुड़ेंगी। कारोबार में नए प्रोजेक्ट की शुरुआत के लिए समय बेहद अनुकूल है।

वृषभ — आर्थिक निवेश की दिशा में उठाए गए कदम भविष्य में बढ़िया रिटर्न देंगे। वाणी की मिठास से रुके हुए काम आसानी से बन जाएंगे। आंखों और गले की देखभाल करें।

मिथुन — चंद्र-मंगल योग से आपकी निर्णय लेने की क्षमता बहुत तेज और सटीक रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी नई सोच और ऊर्जा सहकर्मियों को प्रेरित करेगी।

कर्क — आपकी राशि में त्रिग्रही योग से आपके आकर्षण और प्रभाव में बढ़ोतरी होगी। करियर में किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सही मार्गदर्शन मील का पत्थर साबित होगा।

सिंह — आय के पुराने स्रोतों के अलावा नए रास्ते भी खुलते नजर आएंगे। पेट में जलन या गैस की शिकायत हो सकती है। सामाजिक गतिविधियों में सक्रियता से आपकी साख बढ़ेगी।

कन्या — आपकी राशि में शुक्र की मौजूदगी से आपकी पर्सनालिटी और स्टाइल निखरेगा। कार्यस्थल पर आपकी मैनेजमेंट स्किल और कार्यकुशलता की दाद मिलेगी।

तुला — भाग्य का सितारा बुलंद रहने से बिगड़े हुए काम भी पटरी पर आ जाएंगे। धार्मिक या आध्यात्मिक कार्यों में समय बिताने से सुकून मिलेगा।

वृश्चिक — अचानक वित्तीय लाभ या गुप्त लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। रिसर्च, पढ़ाई या विश्लेषणात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी। वाहन चलाते समय सतर्क रहें।

धनु — व्यापार और साझेदारी के मामलों में दिन काफी फलदायी रहने वाला है। टीमवर्क से काम करने पर ऑफिस के बड़े लक्ष्य आसानी से हासिल होंगे।

मकर — आपकी मेहनत और निरंतरता से आपके विरोधी भी आपकी तारीफ करेंगे। नौकरी में नई चुनौतियों का डटकर सामना करेंगे और जीत आपकी होगी।

कुम्भ — रचनात्मकता और कला से जुड़े जातकों के लिए दिन बेहद मुफीद है। शेयर या म्यूचुअल फंड में सोच-समझकर किया गया निवेश लाभ देगा। पुरानी कड़वाहट खत्म होगी।

मीन — वक्री शनि आपकी राशि में होने से हर काम को पूरे धैर्य और सटीकता से करें। घर की सजावट या मरम्मत से जुड़े कामों पर ध्यान केंद्रित हो सकता है।

जुर्म की दुनिया का सच दिखाएंगे अजय देवगन, बने 'क्राइम पेट्रोल' के होस्ट

क्राइम शो क्राइम पेट्रोल ने अपने नए सीजन क्राइम पेट्रोल: क्राइम का करेंट सीजन की अनाउंसमेंट कर दी है। शो के नए प्रोमो में मेकर्स ने फैंस के साथ बड़ा खुलासा किया। इस नए सीजन की सबसे खास बात यह है कि अभिनेता अजय देवगन इस शो को होस्ट करेंगे।

क्राइम पेट्रोल टेलीविजन का एक लोकप्रिय सीरियल है। इस शो में क्राइम की कहानियों को नाट्य रुपांतरण के जरिए दिखाया जाता है। शो को कई साल तक एक्टर अनूप सोनी ने होस्ट किया। मगर इस सीजन से मेकर्स ने इसमें बड़ा बदलाव किया है। शो के नए प्रोमो में नए होस्ट अजय देवगन समाज की अपराधिक स्थितियों पर बात करते नजर आए।

क्राइम पेट्रोल के प्रोमो में अजय ने शो के पीछे के मकसद और समाज में बढ़ रहे अपराधों पर चर्चा की। उन्होंने यह मुख्य बातें कहीं..

क्राइम पेट्रोल जैसे शो के साथ जुड़ना मेरे प्रशंसकों और दर्शकों के प्रति एक जिम्मेदारी जैसा लगता है।

इस शो ने अपराध की कहानियों को समझने और दर्शकों में जागरूकता पैदा करने की एक मिसाल कायम की है। हम अब ऐसी कहानियां लेकर आ रहे हैं जिन्होंने पूरे देश को झकझोर दिया है। मुझे उम्मीद और विश्वास है कि मैं दर्शकों को इन मामलों में डर के बजाय सावधानी बरतने में मदद करूंगा। इन कहानियों से लोगों को सतर्कता बरतने की सीख मिलेगी और इसमें मैं उनका मार्गदर्शन कर सकता हूं।

अपराधिक कहानियों और वारदातों पर आधारित शो क्राइम पेट्रोल जल्द ही प्रसारित होने वाला है। प्रोमो के अनुसार शो 31 अगस्त 2026 को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित किया जाएगा। इसके अलावा इसे सोनी लिव पर भी स्ट्रीम किया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक शो के पहले 15 एपिसोड की शूटिंग हो चुकी है।

भारत में सबसे ज्यादा कमाने वाली हॉलीवुड फिल्म बनी स्पाइडर मैन

बॉलीवुड | मसाला

स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे को भारतीय दर्शकों को खूब प्यार मिल रहा है। फिल्म ने 400 करोड़ क्लब में एंट्री ले ली है। भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हॉलीवुड फिल्म यह बन चुकी है। साथ ही 'द ओडिसी' ने अब तक भारत में कितनी कमाई कर ली है।

सैकनिल्क के मुताबिक फिल्म स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे ने 12वें दिन यानी सोमवार को 4.41 करोड़ रुपये कमाए हैं। जबकि फिल्म ने रविवार को 34.70 करोड़ रुपये कमाए थे।

फिल्म के कलेक्शन में गिरावट जरूर है, लेकिन अधिकतर फिल्मों के साथ सोमवार को ऐसा होता है। रविवार की छुट्टी के बाद सोमवार को थिएटर में दर्शकों की संख्या कम हो जाती है। फिल्म स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे का कुल कलेक्शन अब तक भारत में 419.86 करोड़ रुपये हो चुका है। स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे ने हॉलीवुड फिल्म 'अवतार 2' का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। बता दें कि 'अवतार 2' ने भारत में कुल 391.40 करोड़ रुपये कमाए थे। ऐसे में इस फिल्म के लाइफटाइम कलेक्शन को 'स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे' ने पार कर लिया है।

वहीं 'स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे' भारत में 400 करोड़ क्लब में शामिल होने वाली पहली हॉलीवुड फिल्म भी बन गई। इस फिल्म में टॉम हॉलैंड स्पाइडर मैन के रोल में दिखे हैं। फिल्म के डायरेक्टर डेस्टिन डैनियल क्रेटन हैं। हॉलीवुड फिल्म 'द ओडिसी' का सोमवार का कलेक्शन अभी उपलब्ध नहीं है। इसने 25 दिन कितनी कमाई की इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। वहीं 24वें दिन यानी रविवार को इस फिल्म ने 4.35 करोड़ रुपये कमाए थे। इस फिल्म का कुल कलेक्शन भी अब तक 169.50 करोड़ रुपये हो चुका है। फिल्म में मैट डेमन, टॉम हॉलैंड, एनी हैथवे लीड रोल में नजर आए हैं। इस फिल्म के निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

'कभी अलविदा ना कहना' ने दर्शकों को दो हिस्सों में बांट दिया था : करण जौहर

फिल्म 'कभी अलविदा ना कहना' को आज बीस साल पूरे हो गए। शाहरुख खान, रानी मुखर्जी अभिनीत यह फिल्म आज भी दर्शकों को याद है। लेकिन जब यह फिल्म रिलीज हुई थी। तो करण जौहर को कड़ी प्रतिक्रियाओं का सामना करना पड़ा था। इन बातों को लेकर निर्देशक ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा की है। शादी, प्यार और एक्स्ट्रा-मैरिटल रिश्तों पर आधारित फिल्म 'कभी अलविदा ना कहना' ने दर्शकों को दो हिस्सों में बांट दिया था। करण जौहर ने बताया कि फिल्म रिलीज होने से एक रात पहले उन्होंने एक सिनेमाघर में पेड प्रीव्यू देखा था। वह वहां पर चुपचाप दर्शकों के बीच बैठे थे और उन्होंने देखा कि एक अधेड़ उम्र का जोड़ा शाहरुख खान और रानी मुखर्जी के किरदारों, देव और माया वाले एक सीन पर जोरदार प्रतिक्रिया दे रहा था। करण जौहर को याद आया कि वह जोड़ा उस सीन से पहले ही परेशान लग रहा था और स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब देव और माया एक होटल की लिफ्ट में गए और एक-दूसरे के प्रति अपनी भावनाओं में बह गए। करण जौहर यह बातें अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखते हैं। उन्होंने लिखा, 'उस समय साड़ी पहने महिला ने हैरानी से कुर्ता पहने पुरुष की ओर देखा, उनके हाथ से पॉपकॉर्न गिर गया। पुरुष ने पीछे मुड़कर कहा कि यह तो सपना है। जब पुरुष को अहसास हुआ कि यह सपना नहीं था, तो उन्होंने अपनी पत्नी की तरफ गुस्से से देखा और तुरंत बाहर निकलने का इशारा किया। वे सिनेमाघर से चले गए और मेरा दिल बैठ गया।' करण जौहर ने कहा कि जब वह थिएटर से बाहर निकले तो उनके लिए चीजें और भी मुश्किल हो गईं। वह पोस्ट में लिखते हैं, 'एक महिला और उनकी बेटी स्क्रीनिंग के बाद मेरे पास आईं। वह बोलीं कि क्या आप करण जौहर हैं। मैं अपनी बेटी को गाने-नाचने और पारिवारिक मूल्यों वाली एक खुशमिजाज फिल्म दिखाने ले गई थी क्योंकि यह आपकी फिल्म थी। जिस दिन उसका तलाक हुआ, उस दिन मैंने उसे यह फिल्म दिखाई। आपको शर्म आनी चाहिए।

दुनिया का सबसे खूबसूरत कब्रिस्तान, जो बाहर से देखने में लगता है महल, दीदार करने दूर-दूर से आते हैं टूरिस्ट!

कब्रिस्तान का नाम सुनते ही ज्यादातर लोगों के दिमाग में एक ऐसी जगह की तस्वीर बनती है, जहां चारों तरफ कब्रें हों, सन्नाटा पसरा हो और जगह थोड़ी गंदी या सुनसान सी दिखाई देती हो। आमतौर पर लोग कब्रिस्तान को घूमने की जगह भी नहीं मानते। लेकिन दुनिया में कुछ ऐसी जगहें भी हैं, जो इस सोच को पूरी तरह बदल देती हैं। यहां कब्रों के बीच ऐसी खूबसूरत इमारतें, मूर्तियां और नक्काशी देखने को मिलती हैं कि पहली नजर में यकीन करना मुश्किल हो जाता है कि आप किसी कब्रिस्तान में खड़े हैं। ऐसी ही एक अनोखी जगह इटली के मिलान शहर में मौजूद है। इसे मॉन्यूमेंटल सेमिट्री के नाम से जाना जाता है। इसकी भव्य इमारत और शानदार कला देखकर आपको कुछ पल के लिए ऐसा लग सकता है कि आप किसी पुराने शाही महल, ऐतिहासिक म्यूजियम या किसी खूबसूरत रेलवे स्टेशन के सामने खड़े हैं।

मॉन्यूमेंटल सेमिट्री की सबसे खास बात इसकी आर्किटेक्चर है। यहां मौजूद बड़ी-बड़ी इमारतों, कब्रों और स्मारकों पर बेहद बारीक नक्काशी देखने को मिलती है। कई जगहों पर बनी मूर्तियां इतनी खूबसूरत हैं कि उन्हें देखकर ऐसा लगता है जैसे किसी आर्ट गैलरी में आ गए हों। इस जगह का परिसर भी काफी व्यवस्थित और साफ-सुथरा नजर आता है। बाहर की सड़कें और आसपास के रास्ते देखकर पहली बार आने वाले लोगों को शायद अंदाजा भी न हो कि वो एक कब्रिस्तान के सामने खड़े हैं। यह जगह सिर्फ कब्रों के लिए मशहूर नहीं है। यहां मौजूद अलग-अलग स्मारक और मूर्तियां अपने अंदर इतिहास और कला की कहानी समेटे हुए हैं। यही वजह है कि यह जगह सिर्फ स्थानीय लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि इतिहास और कला में दिलचस्पी रखने वाले टूरिस्ट के लिए भी खास मानी जाती है। यहां घूमते समय आपको कई तरह की आर्किटेक्चर देखने को मिलती है। कहीं बड़े स्मारक दिखाई देते हैं तो कहीं खूबसूरत मूर्तियां और पत्थरों पर की गई बारीक नक्काशी ध्यान खींचती है। कब्रिस्तान के बाहर का नजारा भी अपने आप में खास है। यहां टूरिस्ट और लोगों के लिए फूलों की कई दुकानें लगी रहती हैं। लोग रंग-बिरंगे और ताजे फूल खरीदकर अपने प्रियजनों की कब्र पर चढ़ा सकते हैं। फूलों की सजावट और उनकी खुशबू इस जगह के माहौल को और भी शांत और खूबसूरत बना देती है। यहां आने वाले लोग अक्सर कुछ समय शांति से बिताते हैं और अपने करीबियों को याद करते हैं। कब्रिस्तान होने के बावजूद यहां का माहौल डरावना कम और शांत ज्यादा महसूस होता है।

अजब-गजब | इस नदी का पानी मंगल पर एलियंस खोजने में कर रहा मदद

सिरके जैसा है स्पेन की इस खूनी नदी का पानी

स्पेन के दक्षिण-पश्चिम इलाके में एक बेहद रहस्यमय नदी बहती है। इस नदी का नाम रियो टिंटो है। इसका पानी बिल्कुल खून की तरह लाल और गहरा नारंगी है। पहली नजर में यह किसी हॉरर फिल्म का सीन लगता है। यह कोई बनावटी रंग या केमिकल का असर नहीं है। यह नदी 50 किलोमीटर लंबी है। इसका पानी सिरके जितना एसिडिक है। ऐसे खतरनाक माहौल में किसी भी जीव का बचना नामुमकिन लगता है। लेकिन इस खूनी नदी में भी खास तरह के सूक्ष्म जीव पनपते हैं। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के मुताबिक यह जगह मंगल ग्रह से काफी मिलती है। इस नदी ने वैज्ञानिकों को एक नई उम्मीद दी है। इसके जरिए नासा मंगल ग्रह पर जीवन की तलाश कर रहा है। धरती पर यह नदी मंगल ग्रह की कंडीशन को समझने के लिए सबसे बेहतरीन नेचुरल लैब बन गई है।

रियो टिंटो का मतलब धब्बेदार नदी होता है। यह नदी यूरोप के सबसे बड़े ज्वालामुखी सल्फाइड अयस्क वाले इलाके से गुजरती है। करोड़ों साल पहले इस इलाके में भयंकर ज्वालामुखी फटते थे। इससे यहां सल्फाइड खनिजों का बड़ा भंडार बन गया। जब जमीन के नीचे का पानी और ऑक्सीजन इन सल्फाइड खनिजों से मिलते हैं, तो एक खास केमिकल रिएक्शन शुरू होता है। यह प्रोसेस हजारों सालों से बिना रुके चल रहा है। आयरन और सल्फर के कण तेजी से पानी में घुल जाते हैं। इससे पानी बहुत ज्यादा एसिडिक हो जाता है और इसका रंग लाल हो जाता है।

इस नदी का पीएच लेवल गिरकर 2 तक पहुंच जाता है। यह विनेगर (सिरका) जितना एसिडिक होता है। आम तौर पर ऐसे पानी में मछलियां और पौधे तुरंत मर जाते हैं। लेकिन इस नदी में एक्सट्रीमोफाइल्स नाम के खास सूक्ष्म जीव जिंदा रहते हैं। ये जीव धूप या ऑर्गेनिक मैटर से एनर्जी नहीं लेते हैं। ये अपना खाना आयरन और सल्फर को प्रोसेस करके बनाते हैं। ये बैक्टीरिया आयरन को ऑक्सिडाइज करते हैं। इससे फेरिक आयरन बनता है जो नदी को जंग जैसा लाल रंग देता है। इन जीवों ने इस खतरनाक माहौल को ही अपनी ताकत बना लिया है। इस नदी का लाल रंग प्राकृतिक है। इंसानों ने भी इसके रूप को बदलने में बड़ा रोल निभाया है। आर्कियोलॉजिकल रिसर्च बताती है कि यहां करीब 5000 साल से माइनिंग हो रही है। कॉपर एज और ब्रॉन्ज एज से लेकर रोमन काल तक यहां खुदाई हुई है। सदियों तक हुई माइनिंग से सल्फाइड वाली चट्टानें हवा और पानी के संपर्क में आ गईं। साल 2001 में माइनिंग रोक दी गई थी। फिर 2016 में कॉपर का काम दोबारा शुरू हुआ। पहले लोग मानते थे कि यह लाल रंग प्रदूषण की वजह से है। रिसर्च ने साबित किया कि इसका कारण प्राकृतिक जियोकेमिस्ट्री है।

यह नदी सिर्फ एक जियोलॉजिकल अजूबा नहीं है। एस्ट्रोबायोलॉजिस्ट इसे धरती की सबसे बेहतरीन नेचुरल लैब मानते हैं। इस नदी के आसपास जारोसाइट नाम का खनिज भरपूर मात्रा में मिलता है। यह आयरन और पोटेशियम से भरा सल्फेट मिनरल है। सबसे खास बात यह है कि यही मिनरल मंगल ग्रह पर भी पाया गया है। नासा के वैज्ञानिकों का मानना है कि जारोसाइट मिनरल माइक्रोबियल एक्टिविटी के निशान हजारों साल तक सुरक्षित रख सकते हैं। वैज्ञानिकों को लगता है कि अगर मंगल पर कभी जीवन रहा होगा, तो उसके पक्के सबूत इन खनिजों में मिल सकते हैं।

नासा भविष्य के स्पेस मिशन के लिए इस नदी का इस्तेमाल कर रहा है। यहां रोबोटिक लाइफ-डिटेक्शन टेक्नोलॉजी की टेस्टिंग हो रही है। रिसर्चर्स ने नदी के नीचे रहने वाले कई तरह के सूक्ष्म जीवों की खोज की है। इससे यह थ्योरी मजबूत होती है कि मंगल ग्रह पर जीवन सतह के नीचे छिपा हो सकता है। मंगल की सतह पर रेडिएशन बहुत ज्यादा है। इसलिए अगर वहां एलियंस या कोई सूक्ष्म जीव हैं, तो वे जमीन के नीचे ही सुरक्षित होंगे। धरती के बाहर जीवन खोजने वाले वैज्ञानिकों के लिए रियो टिंटो किसी खजाने से कम नहीं है।

अमेरिका में गौतम अडानी को बड़ी राहत कोर्ट ने केस किया समाप्त

संघीय अदालत ने आपराधिक मामला किया खारिज

» रिश्वत और सिक्योरिटीज फ्रॉड से जुड़े आरोपों पर अमेरिकी न्याय विभाग का फैसला

» भतीजे सागर अडानी और अडानी ग्रीन एनर्जी के पूर्व सीईओ विनीत जैन के खिलाफ भी मामला खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली/न्यूयॉर्क। उद्योगपति और अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी को अमेरिकी कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अमेरिका के न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन स्थित यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने अमेरिकी न्याय विभाग की याचिका को स्वीकार करते हुए गौतम अडानी के खिलाफ धोखाधड़ी और रिश्वतखोरी के आपराधिक आरोपों को खारिज कर दिया है। इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए गौतम अडानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वे न्यायपालिका की प्रक्रिया का पूरा सम्मान करते हुए इस फैसले का विनम्रतापूर्वक स्वागत करते हैं। उन्होंने लिखा कि वह अदालत के फैसले का सम्मान करते हैं। उन्हें कानून में अटूट विश्वास है।

उन सभी लोगों के प्रति मैं हार्दिक कृतज्ञ हूं, जिन्होंने हम पर अपना विश्वास बनाए रखा। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी को अमेरिका में बड़ी कानूनी राहत मिली है। न्यूयॉर्क की एक संघीय अदालत ने गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी और अडानी ग्रीन एनर्जी के पूर्व सीईओ विनीत जैन के खिलाफ चल रहे आपराधिक मामले को खारिज कर दिया है। अदालत ने अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से मुकदमा वापस लेने के अनुरोध को स्वीकार करते हुए मामले को खारिज किया है, जिसका अर्थ है कि इसी मामले में इन आरोपों को दोबारा दाखिल नहीं किया जा सकेगा।

अब इन आरोपों को दोबारा दाखिल नहीं किया जा सकेगा

न्याय विभाग ने मामले को आगे न बढ़ाने के कारणों की दी जानकारी

हालांकि अदालत ने न्याय विभाग के मामले से पीछे हटने की प्रक्रिया को लेकर सवाल भी उठाए, जज ने इस बात पर चिंता जताई कि इतने हाई-प्रोफाइल मामले में जांचकर्ताओं और अभियोजकों की भूमिका तथा उनसे सलाह लेने की प्रक्रिया किस तरह अपनाई गई। इसके बावजूद अदालत ने अंततः न्याय विभाग को मुकदमा वापस लेने की अनुमति दे दी।

अमेरिकी न्याय विभाग ने मामले को आगे न बढ़ाने के पीछे इसके मुख्य रूप से विदेशी परिस्थितियों से जुड़े होने, आरोपों को साबित करने में आने वाली कठिनाइयों और विभाग की बदली हुई प्राथमिकताओं जैसे कारणों का उल्लेख किया।

सत्य और कानून पर विश्वास नहीं डगमगाया : अडानी

अमेरिकी अदालत के फैसले के बाद गौतम अडानी ने इसका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि वह अदालत के निर्णय का विनम्रता और न्यायिक प्रक्रिया के प्रति गहरे सम्मान के साथ स्वागत करते हैं। अडानी ने कहा कि इस चुनौतीपूर्ण दौर में सत्य, निष्पक्षता और कानून के शासन में उनका विश्वास कभी नहीं डगमगाया। उन्होंने उन लोगों का भी आभार जताया जिन्होंने उन पर, व्यवस्था पर और भारत की न्याय प्रदान करने की क्षमता पर विश्वास बनाए रखा। उन्होंने कहा कि अडानी समूह आगे भी राष्ट्र निर्माण, दीर्घकालिक मूल्य सृजन और स्वयं से बड़े उद्देश्य की सेवा के लिए काम करता रहेगा।

मामला नवंबर 2024 में आया था सामने

यह मामला नवंबर 2024 में सामने आया था और करीब दो वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में था। अमेरिकी अभियोजकों ने आरोप लगाया था कि भारत में सौर ऊर्जा से जुड़े ठेके हासिल करने के लिए सरकारी अधिकारियों को कथित तौर पर रिश्वत देने की योजना बनाई गई और अमेरिकी निवेशकों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां कथित तौर पर छिपाई गईं. अडानी समूह शुरू से इन आरोपों को निराधार बताते हुए किसी भी गलत काम से इनकार करता रहा था। अब इस मामले में बड़ा मोड़ तब आया जब अमेरिकी न्याय विभाग ने स्वयं अदालत से आपराधिक मुकदमा समाप्त करने की अनुमति मांगी. न्यूयॉर्क के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट के अमेरिकी जिला न्यायाधीश निकोलस गारौफिस ने 10 अगस्त को न्याय विभाग के अनुरोध को स्वीकार करते हुए आपराधिक मामला खारिज कर दिया।

अडानी समूह को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कारोबारी दबाव का सामना करना पड़ा था

अमेरिका में मामला सामने आने के बाद अडानी समूह को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारी राजनीतिक, कानूनी और कारोबारी दबाव का सामना करना पड़ा था। आरोपों को लेकर भारत में भी जमकर राजनीतिक विवाद हुआ था. विपक्ष ने इस मामले को लेकर केंद्र सरकार पर लगातार हमले किए, जबकि अडानी समूह ने आरोपों को खारिज करते हुए कानूनी लड़ाई लड़ने की बात कही थी। अब अमेरिकी संघीय अदालत द्वारा आपराधिक मामला खारिज किए जाने से गौतम अडानी और समूह को इस आपराधिक प्रकरण में बड़ी राहत मिली है।

ब्रूकलिन की अमेरिकी जिला जज निकोलस गारफिस ने केस किया खारिज

ब्रूकलिन की अमेरिकी जिला जज निकोलस गारफिस ने केस खारिज करने की मांग मंजूर कर ली। अमेरिका के ब्रूकलिन डिस्ट्रिक्ट कोर्ट जज निकोलस गारफिस ने औपचारिक तौर पर सरकारी अभियोजक की उस मांग को स्वीकार कर लिया, जिसमें अडानी पर कथित रिश्वत देने की योजना में शामिल होने का आरोप हटाने की बात कही गई थी। आरोप खारिज करते हुए गारफिस ने कहा कि उन्हें यकीन है कि अमेरिकी न्याय विभाग के फैसले का अडानी समूह द्वारा निवेश के वादे से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने माना कि आरोप वापस लेने के फेडरल प्रॉसिक्यूटर के फैसलों की समीक्षा करने में जजों की भूमिका सीमित होती है।

नगर निगम जोन-4 में राजस्व वसूली पर उठे सवाल

» निलंबित कर्मचारी से वसूली, प्राइवेट कर्मियों की एंट्री

» चोरी के आरोपों की जांच अधूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम जोन-4 में राजस्व वसूली की व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि निलंबित कर्मचारी रिजवान राजस्व निरीक्षक आकर्ष श्रीवास्तव के साथ राजस्व वसूली के कार्य में सक्रिय है। वहीं, कई प्राइवेट कर्मचारियों की भी सरकारी राजस्व वसूली में भूमिका होने की बात सामने आ रही है। सबसे बड़ा सवाल निलंबित कर्मचारी रिजवान को लेकर है। रिजवान पर पूर्व में नगर निगम के आरआर विभाग में गाड़ियो के पार्ट्स चोरी करने के गंभीर आरोप लगे है जिसमे मामले की जांच पूर्व में रहे जोनल अधिकारी संजय यादव को सौंपी गई थी।

लेकिन जांच अभी तक पूरी नहीं हुई है। ऐसे में सवाल उठता है कि जिस कर्मचारी के खिलाफ गंभीर आरोपों की जांच लंबित है और जो निलंबित है, उसे राजस्व वसूली जैसे संवेदनशील कार्य में किस आदेश के तहत लगाया गया? रिजवान निलंबित कर्मचारी है और फिर भी राजस्व वसूली में लगाया गया है तो इसका लिखित आदेश किस अधिकारी ने जारी किया? क्या निलंबन की अवधि में उसे इस प्रकार का कार्य सौंपने की अनुमति है? अगर अनुमति नहीं है तो जोन-4 में यह व्यवस्था किसके संरक्षण में चल रही है? सूत्रों के मुताबिक इमरान जो की एक प्राइवेट बिल्डर के पास भी नौकरी करता है और नगर निगम ज़ोन 4 में भी राजस्व वसूली में काम कर रहा है इसी तरह समेत कई प्राइवेट कर्मचारी भी राजस्व वसूली के कार्य में सक्रिय हैं। खास तौर पर ट्रेड लाइसेंस शुल्क समेत अन्य राजस्व की वसूली में प्राइवेट लोगों की भूमिका को लेकर सवाल उठ रहे हैं। बताया जाता है कि पूर्व में अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव की ओर से प्राइवेट कर्मचारियों से राजस्व वसूली का कार्य न कराने के निर्देश दिए गए थे।

अफगान ने विश्वकप के लिए किया क्वालीफाई

» आयरलैंड को हराकर अफगानिस्तान की चौथी बार विश्व कप में एंट्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेलफास्ट। अफगानिस्तान टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2027 वनडे विश्व कप में अपनी जगह पक्की कर ली है। सोमवार को बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेले गए तीसरे वनडे में आयरलैंड को रोमांचक मुकाबले में तीन विकेट से मात दी। आयरलैंड के खिलाफ जीत के साथ अफगानिस्तान ने वनडे विश्वकप के लिए सीधे क्वालिफाई कर लिया है। वनडे रैंकिंग में आठवें स्थान पर मौजूद अफगानिस्तान का यह वनडे विश्वकप में चौथा हिस्सा होगा।

टॉस के बाद पहले गेंदबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने आयरलैंड की पूरी टीम को 46.3 ओवर में 206 रन पर समेट दिया। अफगान गेंदबाजों ने शुरुआत से ही आयरिश बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा और नियमित अंतराल पर विकेट हासिल किए। वहीं 207 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की टीम ने एक समय 97 रन पर सिर्फ दो विकेट गंवाए थे और मुकाबला उसके नियंत्रण में नजर आ रहा था। लेकिन इसके बाद टीम ने 176 रन तक पहुंचते-पहुंचते अपने पांच विकेट और गंवा दिए। स्कोर 176/7 होने के बाद मुकाबला बेहद रोमांचक हो गयां। ऐसे में राशिद खान ने धैर्य के साथ बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 37 रन बनाए। दूसरे छोर पर यामिन अहमदजई ने उनका बखूबी साथ दिया और अफगानिस्तान को 44.5 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया। राशिद को उनके निर्णायक प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

संदीप लामिछाने बने नेपाल की वनडे टीम के कप्तान

नई दिल्ली। नेपाल क्रिकेट में नेतृत्व परिवर्तन हुआ है। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल (सीएएन) ने स्टार लेग स्पिनर संदीप लामिछाने को टीम का नया वनडे कप्तान नियुक्त किया है। लामिछाने लंबे समय से टीम की कप्तानी कर रहे रोहित पौडेल की जगह लेंगे। उनकी कप्तानी का पहला बड़ा कार्यभार मलयेशिया में होने वाला एसीसी मेंस प्रीमियर कप 2026 होगा, जिसका आयोजन 30 अगस्त से 12 सितंबर तक किया जाएगा। 26 वर्षीय लामिछाने इससे पहले भी नेपाल की वनडे टीम की कप्तानी कर चुके हैं। उन्होंने 14 वनडे में टीम की अगुआई की थी, जिसके बाद 2022 के अंत में रोहित पौडेल ने कप्तानी संभाली थी। अब एक बार फिर लामिछाने को टीम की कमान सौंपी गई है। संदीप लामिछाने नेपाल के सबसे अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने अब तक 77 वनडे मैचों में 154 विकेट हासिल किए हैं। वह नेपाल की ओर से सबसे तेज 150 वनडे विकेट पूरे करने वाले गेंदबाज हैं। इसके अलावा लामिछाने नेपाल के पहले ऐसे खिलाड़ी भी हैं, जिन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 विकेट का आंकड़ा पार किया है। ऐसे में उनके अनुभव को देखते हुए वनडे टीम की कप्तानी सौंपना नेपाल क्रिकेट के लिए अहम फैसला माना जा रहा है।

संसद के मानसून सत्र में नहीं रुक रहा हंगामा

विपक्ष की नारेबाजी, सदन में कार्यवाही अटकी, कांग्रेस और भाजपा के बीच वार-पलटवार, सरकार बोली-चर्चा को तैयार, पर विपक्ष का भाग रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के आखिरी हफ्ते में भी सरकार और विपक्ष में गतिरोध बरकरार है मंगलवार को संसद परिसर में विपक्ष और सत्तापक्ष के सांसदों के बीच बहस देखने को मिली। वहीं संसद में सरकार और विपक्ष के बीच जमकर नारेबाजी हो रही है. दोनों ही संसद में प्रोटेस्ट कर रहे हैं और निशाना साध रहे हैं। हंगामे के चलते सदन में कार्यवाही नहीं हो पा रही है। संसद परिसर में सरकार और विपक्ष दोनों ही एक-दूसरे पर पीछे पड़े हुए हैं, तीखी बहस देखने को मिल रही है।

संसद में प्रियंका गांधी और बीजेपी सांसद मुकेश दलाल का आमना-सामना हुआ। प्रियंका गांधी जब संसद की तरफ बढ़ीं तो बीजेपी सांसद मुकेश दलाल ने राहुल गांधी शर्म करो, शर्म करो के नारे लगाए। उनके हाथों में झारखंड में छात्रों पर हुई निर्दयता पर राहुल गांधी जवाब दो के पोस्टर थे इस दौरान प्रियंका गांधी ने सांसद से कहा कि राहुल गांधी ने झारखंड के छात्रों से मुलाकात की और मुस्कुराते हुए आगे बढ़ गईं। इसके बाद भाजपा सांसद मुकेश दलाल ने कहा कि राहुल गांधी ने झारखंड का दौरा कब किया? राहुल गांधी और केजरीवाल झारखंड जाने की हिम्मत क्यों नहीं करते? प्रियंका (गांधी वाड्रा) ने मुझे बताया कि राहुल गांधी इस पर काम कर रहे हैं. इसलिए, मैंने उनसे पूछा कि राहुल गांधी झारखंड क्यों नहीं गए।

एनडीए सांसदों ने किया मार्च

एनडीए के सांसद ने विपक्ष के खिलाफ पोस्टर लेकर संसद के मकर द्वार की ओर मार्च किया। इन पोस्टरों में लिखा था कि गृह मंत्री अमित शाह छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार हैं, जबकि विपक्ष इससे भाग रहा है। बीजेपी के सांसद साक्षी महाराज ने कहा कि पूरा विपक्ष किसी तरह से कोई चर्चा नहीं चाहता है. उनकी जंतर-मंतर के लिए और झारखंड पर नीति अलग अलग है।

ये अमेरिका के गुलाम हैं, ऐसे देशद्रोहियों को भगाएंगे : खेड़ा

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा- ये अंग्रेजों के तलवे चाटने वाले हैं, ये गुलाम हैं अमेरिका के. जैसे अमित शाह भागे हैं, ये सब भी भागेंगे. हमारी सरकार आने दो, जब तक कांग्रेस जिंदा है, ऐसे देशद्रोहियों को भगाएंगे जैसे अमित शाह को भगाया, वैसे ही इन सबको भगाएंगे।

गृहमंत्री सदन में नहीं आना चाहते हैं : डिंपल यादव

डिंपल यादव ने कहा- हम चाहते हैं दोनों मुद्दों पर चर्चा हो। गृह मंत्री सदन में नहीं आना चाहते। आरटीआई से पता चला है कि 10 बच्चों पर पैलेट गन चली है, मतलब सरकार झूठ बोल रही थी।

राहुल गांधी के निर्देश पर हेमंत सोरेन ने झारखंड के युवाओं पर लाठियां चलाईं : अनुराग ठाकुर

बीजेपी के सांसद अनुराग ठाकुर ने विपक्ष को जवाब दिया। उन्होंने कहा- राहुल गांधी के निर्देश पर हेमंत सोरेन ने झारखंड के युवाओं पर लाठियां चलाईं, कंटीली तारें लगाईं। वहीं सांसद मुकेश दलाल ने कहा कि राहुल गांधी ने झारखंड का दौरा कब किया? राहुल गांधी और केजरीवाल झारखंड जाने की हिम्मत क्यों नहीं करते? प्रियंका ने मुझे बताया कि राहुल गांधी इस पर काम कर रहे हैं। इसलिए, मैंने उनसे पूछा कि राहुल गांधी झारखंड क्यों नहीं गए।

लाठीचार्ज को लेकर झारखंड विधानसभा में बरपा हंगामा

भाजपा ने सड़कों पर टायर जलाकर किया विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएसी) की नियुक्ति परीक्षाओं में अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के बाद से झारखंड की जनता में क्रोध है। इसको लेकर झारखंड विधानसभा में लाठीचार्ज पर हंगामा चल रहा है। कांग्रेस के मुख्य सचेतक प्रदीप यादव ने कहा कि क्या घटनाक्रम था, इसको सरकार सामने लाए। सरकार क्या विचार कर रही है, इस पर पूरा विस्तृत विचार रखना चाहिए। झारखंड विधानसभा की कार्यवाही 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

रांची में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में विपक्षी दल बीजेपी ने झारखंड बंदका आह्वान किया है। अभी झारखंड बीजेपी अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व में रातू चौक पर कार्यकर्ता टायर जला प्रदर्शन किया और बंदी कराया।

रांची में विधानसभा घेराव मार्च के दौरान छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई पर बीजेपी के मुख्य प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा, ये लोग बेशर्म हैं. यहां की सरकार दावा कर रही है कि पुलिस ने संयम बरता. अब तक हमने सिर्फ चोरों को रात में हाथ की सफाई दिखाते देखा था लेकिन चौथी बार, अपने हक़ की मांग कर रहे बेगुनाह छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया. उस समय अंधेरा हो चुका था और अंधेरे में छात्रों पर बेरहमी से लाठीचार्ज किया गया. उनके कपड़े फाड़ दिए गए।

जयपाल मुंडा स्टेडियम में छात्रों का प्रदर्शन जारी

खूंटी के प्रदर्शनकारी गिरधारी महतो ने कहा, 9 अगस्त को मैंने खूंटी जिले में बिरसा मुंडा की मूर्ति पर माला चढ़ाई और दोपहर करीब 12 बजे भूख हड़ताल करते हुए पैदल मार्च शुरू किया। मैं 10 अगस्त को सुबह यहां पहुंचा. कल, मैंने भूख हड़ताल जारी रखते हुए विधानसभा मार्च में हिस्सा लिया. भूख हड़ताल किसी भी नागरिक के लिए विरोध का एक आखिरी तरीका होता है. मैं भी भूख हड़ताल पर था, लेकिन कल छात्रों के साथ जैसा बर्ताव किया गया, उससे लगता है कि झारखंड सरकार तानाशाह हो गई है। वह छात्रों की जायज़ मांगों को नज़रअंदाज़ कर रही है।

राजनीतिक लाभ के लिए अभ्यर्थियों को गुमराह कर रही भाजपा : सोरेन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए उसके नेताओं पर राजनीतिक लाभ के लिए आंदोलनकारी अभ्यर्थियों को गुमराह करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। सोरेन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए आंदोलनकारियों से संवाद और विश्वास के जरिए अपनी समस्याओं का समाधान निकालने की अपील भी की।

सोरेन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मैं... समझता हूं कि आपके शांतिपूर्ण आंदोलन के बीच विपक्ष के कुछ लोगों ने माहौल खराब करने और राजनीतिक लाभ के लिए छात्रों को गुमराह करने की कोशिश की। मैं आप सभी से अपील करता हूं कि ऐसे किसी भी राजनीतिक बहकावे में न आएं। आप झारखंड का भविष्य हैं।

उन्होंने कहा कि यह छात्रों की आवाज को नजरअंदाज करने का नहीं, बल्कि उसे सुनने और समस्याओं को सुलझाने का विषय है, जो कि सरकार की जिम्मेदारी है। सोरेन ने कहा, आपने अपनी मांगों के लिए शांतिपूर्ण तरीके से आवाज उठाई है। लोकतंत्र में अपनी बात रखना आपका अधिकार है और आपकी राय का सम्मान करना सरकार का फर्ज है। मैं आपको

आश्वासन देता हूं कि सरकार आपकी मांगों पर अत्यंत गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ विचार करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, हम परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, प्रौद्योगिकी-संचालित, सुरक्षित और जवाबदेह बनाना चाहते हैं। हमारा स्पष्ट उद्देश्य व्यवस्था की कमियों को दूर करना है ताकि भविष्य में किसी भी छात्र को परेशानी का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार ने प्रदर्शनकारी छात्रों की बात सुनी है और उनके साथ लगातार बातचीत जारी है। सोरेन ने कहा, पिछले कुछ दिनों में आपने देखा है कि सरकार ने किसी को भी नहीं बख्शा है, चाहे दोषी कोई भी हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयास केवल समस्याओं पर चर्चा करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाधान की एक नयी मिसाल कायम करने के लिए काम किया जा रहा है।

आरएसएस व भाजपा से जुड़े लोगों ने मनमोहन सिंह को किया था बदनाम : सोनिया गांधी

कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में उच्चतम न्यायालय से क्लीन चिट पर कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख ने लिखा लेख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को हाल में कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में उच्चतम न्यायालय से क्लीन चिट मिलने का मंगलवार को स्वागत करते हुए कहा कि उनकी ईमानदारी और जवाबदेही का रिकॉर्ड नरेन्द्र मोदी सरकार के कामकाज के तरीके के बिल्कुल विपरीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि सिंह के खिलाफ अभियान सुनियोजित और समन्वित था तथा इसमें नौकरशाही, मीडिया, न्यायपालिका, नागरिक संगठन और निश्चित तौर पर आरएसएस तथा भाजपा से जुड़े लोग शामिल थे।

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह खुद इन दिनों देश के छात्रों को उन पर हमला करने के लिए माफ कर रहे हैं, इसलिए शायद वह सिंह को अमर्यादित तरीके से बदनाम करने के लिए खुद को भी माफ कर सकते हैं। सोनिया गांधी ने मोदी द्वारा राज्यसभा में आठ फरवरी, 17 को सिंह पर की गई टिप्पणी का भी जिक्र किया। सोनिया

डॉ. सिंह के खिलाफ चलाए गए अभियान का अंत

उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने अधीनस्थ अदालत द्वारा सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट खारिज करने और तत्कालीन प्रधानमंत्री सिंह के खिलाफ बिना किसी ठोस कारण प्रतिकूल टिप्पणियां करने को भी गलत ठहराया। सोनिया गांधी मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री रहते समय सत्तारूढ़ संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की प्रमुख थीं। उन्होंने कहा,यह हमारे सार्वजनिक विमर्श के सबसे दुखद अध्यायों में से एक, डॉ. सिंह के खिलाफ चलाए गए अभियान का अंत है। वह असाधारण शुचिता और ईमानदारी वाले व्यक्ति थे। उन्होंने कहा कि रेनकोट पहनकर नहाने की कला वाली प्रधानमंत्री की टिप्पणी हमारे संसदीय इतिहास के सबसे निम्न स्तरों में से एक" के रूप में याद की जाएगी।

गांधी ने यह भी कहा कि इतिहास मनमोहन सिंह को एक मृदु, सौम्य लेकिन सबसे महत्वपूर्ण प्रधानमंत्रियों में से एक के रूप में याद करेगा। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने अंग्रेजी दैनिक द इंडियन एक्सप्रेस के लिए लिखे लेख में कहा कि 29 जुलाई, 26 का दिन भारतीय राजनीतिक इतिहास में महत्वपूर्ण लेकिन अनदेखा दिन था, जब उच्चतम न्यायालय ने कथित कोयला घोटाला मामले में सिंह को सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट के आधार पर दी गई क्लीन चिट को बरकरार रखा।

ईडी और सीबीआई का घोर दुरुपयोग कर रही है सरकार

उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जैसी जांच एजेंसियों का घोर दुरुपयोग कर रही है और उनका इस्तेमाल राजनीतिक नेताओं पर दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है। गांधी ने कहा कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने गहरे आर्थिक बदलावों की शुरुआत की और अभूतपूर्व आर्थिक वृद्धि के दौर में निजी निवेश तथा खपत को बढ़ावा दिया। उन्होंने दावा किया कि 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट के दौरान भी भारत ने अपनी मजबूती दिखाई। उन्होंने कहा कि संप्रग सरकार के 10 वर्षों के दौरान भारत की आर्थिक वृद्धि पिछले 12 वर्षों की तुलना में अधिक रही और इससे लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकलने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह सरकार की उपलब्धियों में शिक्षा का अधिकार, केंद्रीय वित्त पोषित उच्च शिक्षण संस्थानों में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून, 2013 प्रमुख हैं। उन्होंने कहा, हमें निश्चित रूप से इस बात का अफसोस है कि वह इस दिन को देखने और अपने ज्ञान से देश का मार्गदर्शन करने के लिए हमारे बीच नहीं हैं। लेकिन यह हमारे लिए संतोष की बात है कि जनवरी,14 में की गई उनकी भविष्यवाणी हर गुजरते दिन के साथ सच साबित होती जा रही है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4** पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**